Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Research Promotion Board gives impetus to research and innovation at CUH

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 13.10.2021**

शोध और नवाचार को गति देने के लिए रिसर्च प्रमोशन बोर्ड का गठन

शोध के लिए आदर्श विवि की पहचान पाने का लक्ष्य

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

मानव कल्याण व विश्व समुदाय की बेहतरी के लिए उल्लेखनीय शोध कार्यों का महत्त्व हमेशा से ही रहा है। इसी आवश्यकता को समझते हुए हकेंवि महेंद्रगढ़ ने विशेष प्रयास शुरू कर दिया है। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में रिसर्च प्रमोशन बोर्ड का गठन किया गया है। इस बोर्ड के माध्यम से अब विवि को विश्वपटल पर शोध के लिए आदर्श विवि की पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि हमारी कोशिश है कि हम एक टीम के रूप में योजनागत ढ़ंग से प्रयास करें और शोध व नवाचार के लिए आवश्यक विभिन्न उपायों को लागू करें।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रयास को शोध व नवाचार को गति प्रदान करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि इस बोर्ड के माध्यम से विवि से जुड़ने वाले नए शिक्षकों को एक लाख रुपए का प्रारम्भिक अनुदान प्रदान किया जा रहा है। जिसका उपयोग कर वे अपना ऑफिस, आवश्यक तकनीकी व प्रायोगिक उपकरण आदि विकसित कर सकते हैं। इसी क्रम में बोर्ड ने विश्वविद्यालय स्तर पर बीस लाख रुपए विशेष रूप से शोध अनुदान राशि के तौर पर शिक्षकों को प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस अनुदान राशि को प्रदान करने का निर्णय रिसर्च प्रमोशन बोर्ड के माध्यम से किया जाएगा। शिक्षकों को शोध के स्तर पर प्रोत्साहित करने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। प्रत्येक शिक्षक को साल में कम से कम दो शोध पत्र प्रकाशित कराने के लिए निर्देशित किया है। इसी तरह विभागीय स्तर पर उल्लेखनीय शोध पत्र प्रकाशित करने हेतु शिक्षक सम्मानित होंगे। शोध व अनुसंधान की प्रक्रिया को गति प्रदान करने के उद्देश्य से शिक्षकों को साल में एक बार यात्रा अनुदान भी प्रदान किया जाएगा, इसके माध्यम से वह अपने शोध के लिए आवश्यक भ्रमण कार्य सहज रूप से कर सकेंगे। कुलपति ने इन प्रयासों के अंतर्गत विशेष रूप से स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर के सामाजिक महत्त्व से संबंधित शोध कार्यों पर जोर देने के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया ताकि विवि में विकसित ज्ञान का लाभ जनमानस तक पहुंच सके। स्पष्ट है कि अब वो दिन दूर नहीं जब हकेंवि शोध व नवाचार के मोर्चे पर देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में अपनी एक अलग पहचान कायम करेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 13-10-2021**

हकेंवि में रिसर्च प्रमोशन बोर्ड दे रहा है शोध व नवाचार को गति

कुलपति टंकेश्वर कुमार • जागरण

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन • जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: मानव कल्याण व विश्व समुदाय की बेहतरी के लिए उल्लेखनीय शोध कार्यों का महत्व हमेशा से ही रहा है। इसी आवश्यकता को समझते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ने विश्वविद्यालय स्तर पर विशेष प्रयास शुरू कर दिया है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में रिसर्च प्रमोशन बोर्ड का गठन किया गया है। इस बोर्ड के माध्यम से अब विश्वविद्यालय को विश्वपटल पर शोध के लिए आदर्श विश्वविद्यालय की पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि हमारी कोशिश है कि हम एक टीम के रूप में योजनागत ढंग से प्रयास करें और शोध व नवाचार के लिए आवश्यक विभिन्न उपायों को लागू करें। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रयास को शोध व नवाचार को गति प्रदान करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि इस बोर्ड के माध्यम से विश्वविद्यालय से जुड़ने वाले नए शिक्षकों को एक लाख रूपये का प्रारम्भिक अनुदान प्रदान किया जा रहा है। जिसका उपयोग कर वे अपना आफिस, आवश्यक तकनीकी व प्रायोगिक उपकरण आदि विकसित कर सकते हैं। इसी क्रम में बोर्ड ने विश्वविद्यालय स्तर पर बीस लाख रूपये विशेष रूप से शोध अनुदान राशि के तौर पर शिक्षकों को प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस अनुदान राशि को प्रदान करने का निर्णय रिसर्च प्रमोशन बोर्ड के माध्यम से किया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षकों को शोध के स्तर पर प्रोत्साहित करने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके अंतर्गत प्रत्येक शिक्षक को साल में कम से कम दो शोध पत्र प्रकाशित कराने के लिए निर्देशित किया गया है। इसी तरह विभागीय स्तर पर उल्लेखनीय शोध पत्र प्रकाशित करने हेतु शिक्षकों को सम्मानित भी किया जाएगा। शोध व अनुसंधान की प्रक्रिया को गति प्रदान करने के उद्देश्य से शिक्षकों को साल में एक बार यात्रा अनुदान भी प्रदान किया जाएगा, इसके माध्यम से वह अपने शोध के लिए आवश्यक भ्रमण कार्य सहज रूप से कर सकेंगे। कुलपति ने इन प्रयासों के अंतर्गत विशेष रूप से स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर के सामाजिक महत्व से संबंधित शोध कार्यों पर जोर देने के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया ताकि विश्वविद्यालय में विकसित ज्ञान का लाभ जनमानस तक पहुंच सके। अब वो दिन दूर नहीं जब हरियाणा केंद्रीय विवि शोध व नवाचार के मोर्चे पर देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में एक होगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 13-10-2021**

हकेंवि में रिसर्च प्रमोशन बोर्ड दे रहा शोध को गति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

मानव कल्याण व विश्व समुदाय की बेहतरी के लिए उल्लेखनीय शोध कार्यों का महत्व हमेशा से ही रहा है। इसी आवश्यकता को समझते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विवि स्तर पर विशेष प्रयास शुरू कर दिया है। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में रिसर्च प्रमोशन बोर्ड का गठन किया है। इस बोर्ड के माध्यम से अब विवि को विश्वपटल पर शोध के लिए आदर्श विश्वविद्यालय की पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। वीसी का कहना है कि हमारी कोशिश है कि हम एक टीम के रूप में योजनागत

महेंद्रगढ़। हकेंवि जांट पाली।

ढंग से प्रयास करें और शोध व नवाचार के लिए आवश्यक विभिन्न उपायों को लागू करें। कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने इस प्रयास को शोध व नवाचार को गति प्रदान करने वाला बताया। बोर्ड के माध्यम से विवि से जुड़ने वाले नए शिक्षकों को एक लाख रुपये का प्रारंभिक अनुदान प्रदान किया जा रहा है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: NCR Haryana **Date: 13-10-2021**

हकेवि में रिसर्च प्रमोशन बोर्ड दे रहा है शोध व नवाचार को गति

- **हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति के नेतृत्व में हुआ बोर्ड का गठन**
- **शोध के लिए आदर्श विश्वविद्यालय की पहचान पाना है लक्ष्य**

महेंद्रगढ़, एनसीआर हरियाणा (प्रदीप बालरोडिया)
मानव कल्याण व विश्व समुदाय की बेहतरी के लिए उल्लेखनीय शोध कार्यों का महत्त्व हमेशा से ही रहा है। इसी आवश्यकता को समझते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने विश्वविद्यालय स्तर पर विशेष प्रयास शुरू कर दिया है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में रिसर्च प्रमोशन बोर्ड का गठन किया गया है। इस बोर्ड के माध्यम से अब विश्वविद्यालय को विश्वपटल पर शोध के लिए आदर्श विश्वविद्यालय की पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि हमारी कोशिश है कि हम एक टीम के रूप में योजनागत ढ़ंग से प्रयास करें और शोध व नवाचार के लिए आवश्यक विभिन्न उपायों को लागू करें।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रयास को शोध व नवाचार को गति प्रदान करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि इस बोर्ड के माध्यम से विश्वविद्यालय से जुड़ने वाले नए शिक्षकों को एक लाख रूपये का प्रारम्भिक अनुदान प्रदान किया जा रहा है। जिसका उपयोग कर वे अपना ऑफिस, आवश्यक तकनीकी व प्रायोगिक उपकरण आदि विकसित कर सकते हैं। इसी क्रम में बोर्ड ने विश्वविद्यालय स्तर पर बीस लाख रूपये विशेष रूप से शोध अनुदान राशि के तौर पर शिक्षकों को प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस अनुदान राशि को प्रदान करने का निर्णय रिसर्च प्रमोशन बोर्ड के माध्यम से किया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षकों को शोध के स्तर पर प्रोत्साहित करने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके अंतर्गत प्रत्येक शिक्षक को साल में कम से कम दो शोध पत्र प्रकाशित कराने के लिए निर्देशित किया गया है। इसी तरह विभागीय स्तर पर उल्लेखनीय शोध पत्र प्रकाशित करने हेतु शिक्षकों को सम्मानित भी किया जाएगा। शोध व अनुसंधान की प्रक्रिया को गति प्रदान करने के उद्देश्य से शिक्षकों को साल में एक बार यात्रा अनुदान भी प्रदान किया जाएगा, इसके माध्यम से वह अपने शोध के लिए आवश्यक भ्रमण कार्य सहज रूप से कर सकेंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 13-10-2021**

हकेंवि में रिसर्च प्रोमोशन बोर्ड दे रहा है शोध व नवाचार को गति

शोध के लिए आदर्श विश्वविद्यालय की पहचान पाना है लक्ष्य

महेंद्रगढ़, 12 अक्तूबर (परमजीत, मोहन): मानव कल्याण व विश्व समुदाय की बेहतरी के लिए उल्लेखनीय शोध कार्यों का महत्व हमेशा से ही रहा है। इसी आवश्यकता को समझते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ने विश्वविद्यालय स्तर पर विशेष प्रयास शुरू कर दिया है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में रिसर्च प्रोमोशन बोर्ड का गठन किया गया है। इस बोर्ड के माध्यम से अब विश्वविद्यालय को विश्वपटल पर शोध के लिए आदर्श विश्वविद्यालय की पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि हमारी कोशिश है कि हम एक टीम के रूप में योजनागत ढंग से प्रयास करें और शोध व नवाचार के लिए आवश्यक विभिन्न उपायों को लागू करें। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रयास को शोध व नवाचार को गति प्रदान करने वाला बताया।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

उन्होंने कहा कि इस बोर्ड के माध्यम से विश्वविद्यालय से जुड़ने वाले नए शिक्षकों को 1 लाख रुपए का प्रारम्भिक अनुदान प्रदान किया जा रहा है, जिसका उपयोग करके वे अपना ऑफिस, आवश्यक तकनीकी व प्रायोगिक उपकरण आदि विकसित कर सकते हैं। इसी क्रम में बोर्ड ने विश्वविद्यालय स्तर पर 20 लाख रुपए विशेष रूप से शोध अनुदान राशि के तौर पर शिक्षकों को प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस अनुदान राशि को प्रदान करने का निर्णय रिसर्च प्रोमोशन बोर्ड के माध्यम से किया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षकों को शोध के स्तर पर प्रोत्साहित करने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत प्रत्येक शिक्षक को साल में कम से कम दो शोध पत्र प्रकाशित कराने के लिए निर्देशित किया गया है। इसी तरह विभागीय स्तर पर उल्लेखनीय शोध पत्र प्रकाशित करने हेतु शिक्षकों को सम्मानित भी किया जाएगा। शोध व अनुसंधान की प्रक्रिया को गति प्रदान करने के उद्देश्य से शिक्षकों को साल में एक बार यात्रा अनुदान भी प्रदान किया जाएगा, इसके माध्यम से वह अपने शोध के लिए आवश्यक भ्रमण कार्य सहज रूप से कर सकेंगे।

कुलपति ने इन प्रयासों के अंतर्गत विशेष रूप से स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर के सामाजिक महत्व से संबंधित शोध कार्यों पर जोर देने के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया ताकि विश्वविद्यालय में विकसित ज्ञान का लाभ जनमानस तक पहुंच सके। स्पष्ट है कि अब वो दिन दूर नहीं जब हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शोध व नवाचार के मोर्चे पर देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में अपनी एक अलग पहचान कायम करेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date:** 13-10-2021

हरियाणा केंद्रीय विवि में रिसर्च प्रमोशन बोर्ड दे रहा है शोध व नवाचार को गति

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति के नेतृत्व में हुआ बोर्ड का गठन

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़: मानव कल्याण व विश्व समुदाय की बेहतरी के लिए उल्लेखनीय शोध कार्यों का महत्त्व हमेशा से ही रहा है। इसी आवश्यकता को समझते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने विश्वविद्यालय स्तर पर विशेष प्रयास शुरू कर दिया है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में रिसर्च प्रमोशन बोर्ड का गठन किया गया है। इस बोर्ड के माध्यम से अब विश्वविद्यालय को विश्वपटल पर शोध के लिए आदर्श विश्वविद्यालय की पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि हमारी कोशिश है कि हम एक टीम के रूप में योजनागत ढंग से प्रयास करें और शोध व नवाचार के लिए आवश्यक विभिन्न उपायों को लागू करें।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रयास को शोध व नवाचार को गति प्रदान करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि इस बोर्ड के माध्यम से विश्वविद्यालय से जुड़ने वाले नए शिक्षकों को एक लाख रूपये का प्रारम्भिक अनुदान प्रदान किया जा रहा है। जिसका उपयोग कर वे अपना ऑफिस, आवश्यक तकनीकी व प्रायोगिक उपकरण आदि विकसित कर सकते हैं। इसी क्रम में बोर्ड ने विश्वविद्यालय स्तर पर बीस लाख रूपये विशेष रूप से शोध अनुदान राशि के तौर पर शिक्षकों को प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस अनुदान राशि को प्रदान करने का निर्णय रिसर्च प्रमोशन बोर्ड के माध्यम से किया जाएगा।

विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षकों को शोध के स्तर पर प्रोत्साहित करने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके अंतर्गत प्रत्येक शिक्षक को साल में कम से कम दो शोध पत्र प्रकाशित कराने के लिए निर्देशित किया गया है। कुलपति ने इन प्रयासों के अंतर्गत विशेष रूप से स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर के सामाजिक महत्त्व से संबंधित शोध कार्यों पर जोर देने के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया। स्पष्ट है कि अब वो दिन दूर नहीं जब हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शोध व नवाचार के मोर्चे पर देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में अपनी एक अलग पहचान कायम करेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 13.10.2021**

शोध व नवाचार को गति देने के लिए होंगे 20 लाख खर्च

हकेंविवि में कुलपति के नेतृत्व में हुआ रिसर्च प्रमोशन बोर्ड का गठन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। मानव कल्याण, विश्व समुदाय की बेहतरी के लिए शोध कार्यों का महत्व हमेशा से ही रहा है इसकी आवश्यकता को समझते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय स्तर पर विशेष प्रयास शुरू कर दिया है।

विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में रिसर्च प्रमोशन बोर्ड का गठन किया गया है। इस बोर्ड के माध्यम से अब विश्वविद्यालय को विश्वपटल पर शोध के लिए आदर्श विश्वविद्यालय की पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

एक लाख होगी प्रारंभिक अनुदान की राशि : विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रयास को शोध व नवाचार को गति प्रदान करने वाला बताया। इस बोर्ड के माध्यम से विश्वविद्यालय से जुड़ने वाले नए शिक्षकों को एक लाख रुपये का प्रारंभिक अनुदान प्रदान किया जा रहा है। जिसका उपयोग कर वे अपना ऑफिस, आवश्यक तकनीकी, प्रायोगिक उपकरण विकसित कर सकते हैं।

शोध भ्रमण के लिए दिया जाएगा अनुदान : शोध व अनुसंधान की प्रक्रिया को गति प्रदान करने के उद्देश्य से शिक्षकों को साल में एक बार यात्रा अनुदान भी प्रदान किया जाएगा, इसके माध्यम से वह अपने शोध के लिए आवश्यक भ्रमण कार्य सहज रूप से कर सकेंगे। कुलपति ने इन प्रयासों के अंतर्गत विशेष रूप से स्थानीय, राष्ट्रीय स्तर के सामाजिक महत्व से संबंधित शोध कार्यों पर जोर देने के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया ताकि विश्वविद्यालय में विकसित ज्ञान का लाभ जनमानस तक पहुंच सके।

शोध अनुदान के लिए 20 लाख रुपये होंगे खर्च

इसी क्रम में बोर्ड ने विश्वविद्यालय स्तर पर 20 लाख रुपये विशेष रूप से शोध अनुदान राशि के तौर पर शिक्षकों को प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस अनुदान राशि को प्रदान करने का निर्णय रिसर्च प्रमोशन बोर्ड के माध्यम से किया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षकों को शोध के स्तर पर प्रोत्साहित करने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत प्रत्येक शिक्षक को साल में कम से कम दो शोध पत्र प्रकाशित कराने के लिए निर्देशित किया गया है।